संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

2025–2026

प्रश्नपत्र (सैद्धांतिक)

भाग अ परिचय –				
कार्यक्रमः उपाधि (डिग्री)		कक्षा : बी.ए.	सेमेस्टरः पंचम	सत्रः 2025–2026
विषयः हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-HLIT1D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	काव्यांग विवेचन एवं जनपदीय भाषा-साहित्य (बुन्देली /मालवी/बघेली) (प्रश्न पत्र 1)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल/माइनर ...)	कोर कोर्स(सैद्धांतिक)		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे: 1. विद्यार्थी काव्य के प्रमुख अंगों का अध्ययन कर काव्य को भली- भाँति समझ सकेंगे। 2. जनपदीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. जनपदीप भाषा साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचित होंगे। 4. विद्यार्थी जनपदीय भाषा कौशल में पारंगत होंगे। 5. क्षेत्रीय भाषाओं, बोलियों के साहित्य को संगीतबद्ध करना, नाट्यरूपांतर करना आदि के माध्यम से स्वयं के व्यावसायिक कला मंच स्थापित कर सकेंगे, देश-विदेश में प्रस्तुतियाँ दे सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	06		
7	**कुल अंक**	**100** **सैद्धांतिक मूल्यांकन – 60** **आंतरिक मूल्यांकन – 40**		
भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु				
व्याख्यान की कुल संख्या- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3): L-3-T-P				

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान) 90
इकाई 1	काव्यशास्त्रीय अवधारणाएँ: • काव्य लक्षण • काव्य प्रयोजन • काव्य हेतु	18
इकाई 2	काव्य के प्रमुख अंग: • रस विवेचन • अलंकार (प्रमुख अलंकार- उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, अनुप्रास) • शब्द शक्ति • काव्य गुण (प्रसाद, माधुर्य, ओज) • छन्द - दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया	18
इकाई 3	• जनपदीय-भाषा : (बुन्देली/मालवी/बघेली) • जनपदीय भाषा का भौगोलिक क्षेत्र विस्तार • जनपदीय भाषा (बुन्देली/मालवी/बघेली) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि • जनपदीय भाषा का इतिहास • जनपदीय भाषा साहित्य का इतिहास	18
इकाई 4	जनपदीय भाषा के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ- अ- बुन्देली भाषा और इतिहास प्रमुख कवि – व्याख्या एवं समीक्षा 1 जगनिक – आल्ह खण्ड अंश-"सुमिरन करके नारायण को..... 2 ईसुरी- वंदना – सुमिरन करो शारदा माता 3 भक्तिपरक फागें–हमखो कोठ रजठ की सानी, दूजी नॉइ दिखानी 4 प्रकृतिपरक फागें - अब रित आई बसंत बहारन 5 लोक जीवन की चौकड़ियाँ - हंसा उड़ चल देख बिरानें सरवर जात सुखानें [3] संतोष सिंह बुन्देला - 1. ऐसी जौ बुन्देलखण्ड है, सौ नौनें से नौंनौ 2. मिठौआ है ई कुआँ को नीर	18

	3. लगा रओ कुकरा कबसें टेर 4. हमारे रमटेरा की तान 5. सरग तरइयाँ कीनें गिन लई 4 माधव शुक्ल मनोज- 1. बड़ी रसीली को गई रातें 2. नीके बसंती आ गये दिन 3. फागुन आ गओ 4. कब से देखूँ बाठ पिया की 5. अंगना के फूल खिला जइयो ..... **1 पूरनचंद श्रीवास्तव** **1. कारी बदरिया** **2. बिसराम घरी भर कर लो जू**	
इकाई 5	जनजातीय भाषा साहित्य 1. जन जातीय भाषा साहित्य संग्रह (लिखित/वीडियो) 2. किसी भी जन जातीय भाषा-साहित्य का अनुवाद **"हसदेव बचावो -ऊषाकिरण आत्राम (गोंडी कविता)"** 3. जन जातीय भाषा साहित्य का भाषिक सौन्दर्य 4. जन जातीय भाषा साहित्य के अन्तर्गत संस्कृति का अध्ययन 5 जन जातीय भाषा साहित्य और संगीत	**18**
व्यावहारिक ज्ञान	(किन्ही 2 पर कार्य करें) संबंधित क्षेत्र के प्रकाशित लोक साहित्य का संग्रह अनुवाद समीक्षा लोकगीतों को मौलिक रूप से संगीतबद्ध करना। वाचन, सस्वर प्रस्तुति।	
की वर्ड: काव्यशास्त्र चौकड़िया फाग लोक साहित्य लोक संस्कृति		
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: 1 शर्मा, डॉ. शैलेंद्र कुमार, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी भाषा और साहित्य" मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 2 शुक्ल, त्रिभुवन नाथ, डॉ कामिनी, परमार, डॉ बहादुर सिंह बुन्देली भाषा और साहित्य 3 हंस, डॉ कृष्ण लाल, बुन्देली और क्षेत्रीय रूप, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, प्रथम संस्करण 1976ई. 4 शुक्ल, दुर्गाचरण, बुन्देली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, कला परिषद टिकमगढ़, प्रथम संस्करण 1976 ई.		

5 शर्मा, डॉ रमेश, लोक साहित्य, बेनी माधव प्रकाशन वाराणसी, प्रथम संस्करण 1969 ई.
6 शर्मा, डॉ सत्येंद्र प्रधान, उषा, बघेली भाषा और साहित्य, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
7 मिश्र, डॉ भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन गोरखपुर, 1963
8 सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप, "भारतीय काव्यशास्त्र, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1997 ई.
9 चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश, आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धान्त, हिन्दी साहित्य संसार दिल्ली, प्रथम संस्करण 1960
10 त्रिपाठी, राममूर्ति, साहित्य शास्त्र के प्रमुख पक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11 वाजपेयी, नन्ददुलारे, रीति और शैली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12 तोमर, टीकमसिंह, बघेली भाषा और साहित्य, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद पटना
13 शुक्ल, भगवती प्रसाद, बघेली भाषा और साहित्य, साहित्य भवन इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 1971 ई.
14 शर्मा, डॉ शैलेन्द्र, शब्द-शक्ति संबंधी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्य शास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
15 गुप्ता, डॉ सरोज, प्रामाणिक वृहद बुन्देली शब्दकोश, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ
16 शर्मा, डॉ शैलेन्द्र, मालवा का लोक माच एवं अन्य विधाएं, अंकुर मंच, उज्जैन
17 मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी से प्रकाशित पुस्तकें

2 अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. www.eshiksha.mp.gov.in
2. http://www.abmcollegejamshedpur.ac.in/pdfs/studymaterials/B.A.HINDI(Hen%27
3.CC-6%20Unit-21.pdf
3. https://old.amu.ac.in/emp/studym/99994856.pdf

भाग द- अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ अधिकतम अंक 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 40 मुख्य परीक्षा (ME) अंक: 60

आंतरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक :40
आंकलनः मुख्य परीक्षा समय 03.00 घंटे	अनुभाग (अ):. अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक:60

कोई टिप्पणी/सुझाव